Sociology(Hons.), Part-2, Paper-IV, Unit-5, Research Design : Meaning, Dr. Pramod Gandhi, Lecture series no.-1

प्रश्न–शोध प्रचना से आप क्या समझते है?(What do mean by Research Design?)

उत्तर– वर्त्तमान युग अनुसंधान का युग है। आज न केवल भौतिक तथा प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान का महत्त्व बढ़ रहा है बल्कि सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में भी इसका महत्त्व दिनानुदिन बढ़ रहा है। प्रत्येक सामाजिक अनुसंधान के एक निश्चित उद्देश्य होते हैं और इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यह आवश्यक होता है कि अध्ययन कार्य प्रारंभ करने से पहले ही उसकी एक रूप–रेखा तैयार कर ली जाय।

अनुसंधान कार्य प्रारंभ करने से पहले अनुसंधान की योजना की जो रूपरेखा तैयार की जाती है उसे सामान्यतया शोध प्रचना (Research Design) कहा जाता है। R. L. Ackoff ने Research Design को परिभाषित करते हुए लिखा है–

"Design is the process of making decisions before the situation arises in which the decision is to be carried out."

इस परिभाषा से यह पता चलता है कि निर्णय क्रियान्वित करने अर्थात् शोधकार्य प्रारम्भ करने के पूर्व ही अनुसंधान की जो रूपरेखा बना ली जाती है उसे Research Design कहा जाता है। जब यह शोध कार्य किसी सामाजिक घटना के अध्ययन से संबंधित होता है तब उसे Design of Social Research कहा जाता है। किसी भी अनुसंधान कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व अनुसंधान विषय तथा उसके उद्देश्य का निर्धारण कर लिया जाता है। अर्थात् यह पहले से ही तय कर लिया जाता है कि किस घटना अथवा विषय का अध्ययन किया जाएगा और इस अध्ययन का उद्देश्य क्या होगा। इसी तरह अनुसंधान कार्य प्रारम्भ करने से भी पहले यह निर्णय लिया जाता है कि किस पद्धति तथा प्रविधि के आधार पर अध्ययन किया जाएगा और अध्ययन का यंत्र क्या होगा। इन्हीं सब बातों से संबंधित जो अनुसंधान की रूपरेखा तैयार की जाती है उसे Research Design कहा जाता है, साथ ही यह भी कहा जा सकता है कि Research Design तैयार करने में केवल अनुसंधान विषय, उद्देश्य, पद्धति तथा अध्ययन के उपकरणों इत्यादि की ही रूपरेखा तैयार नहीं की जाती बल्कि अनुसंधान कार्यक्रम को एक निश्चित प्रकार के अन्तर्गत लाने के लिए भी प्रयत्न करना पड़ता है अर्थात् अध्ययनकर्त्ता को यह देखना पड़ता है कि प्रस्तुत अनुसंधान कार्य Exploratory (अण्वेषणात्मक) है या Descriptive (वर्णनात्मक), Diagnostic (निदानात्मक) है या Experimental (परीक्षणात्मक)। साथ ही Research Design तैयार करते समय Hypothesis (उपकल्पना) का भी निर्माण किया जाता है।

DR. P. GANDHI